भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2287

12 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष सेवाएं

2287. श्री राजेश रंजन:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी एवं होम्योपैथी को प्रोत्साहन देने हेतु वर्तमान में चल रही राष्ट्रीय योजनाओं, आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति और प्रमुख उपलब्धियों सहित तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विभिन्न राज्यों में अवसंरचना, औषधियों की आपूर्ति और समन्वय की कमी के कारण आयुष सेवाओं का कार्यान्वयन अभी तक वांछित परिणाम नहीं दे पाया है और यदि हां, तो इन मुद्दों का समाधान करने हेतु सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरे सहित सरकार द्वारा किये गए सुधारात्मक उपायों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार आयुष क्षेत्र में गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण, औषधीय पौधों को प्रोत्साहन, औषधि निर्माण इकाइयों का विनियमन और अनुसंधान को प्रोत्साहन हेतु नई पहलें कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या बिहार में विशेषकर पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज सीमांचल क्षेत्र में आयुष अस्पताल, शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्र और अनुसंधान संस्थान स्थापित करने हेतु कोई प्रस्ताव लंबित है या सरकार के विचाराधीन है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, देश में आयुष सेवाएं प्रदान करने और आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी सहित आयुष पद्धति को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना की पर्याप्त उपलब्धता, औषधियों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान परियोजनाओं के प्रभावी कामकाज के लिए समन्वय की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। हालांकि, आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से वर्ष 2014 से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है और राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के सापेक्ष एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अवसंरचना के विकास और दवाओं की आपूर्ति सहित विभिन्न गतिविधियों के तहत वित्तीय सहायता

प्रदान करके आयुष पद्धति के समग्र विकास और संवर्धन के लिए उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है। यह मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है:-

(i) आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का संचालन, जिसे अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) नाम दिया गया है।
(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं का सह-स्थापन।
(iii) मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।
(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/उस क्षेत्र में नए आयुष औषधालय स्थापित करने के लिए भवन का निर्माण जहां कोई आयुष सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।
(v) 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।
(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति।
(vii) आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम।
(viii) उन राज्यों में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।
(ix) आयुष स्नातक-पूर्व संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार, वर्ष 2014-15 से 2024-25 तक एसएएपी में अनुमोदित विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए 5670.83 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। एनएएम के तहत की गई प्रमुख उपलब्धियां **संलग्नक-I** पर दी गई हैं।

इसके अलावा, एनएएम के तहत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, मंत्रालय ने 12500 आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को अनुमोदित किया है, जिसका नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) [(एएएम) (आयुष)] कर दिया गया है और विभिन्न आयुष उपचारों के माध्यम से समुदाय को समग्र स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में एकीकृत आयुष अस्पतालों (आईएएच) की 203 इकाइयों को भी अनुमोदित किया है। अनुमोदित एएएम (आयुष) और आईएएच की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति क्रमशः **संलग्नक-II** और **संलग्नक-III** पर दी गई है।

एनएएम के अलावा, जिसे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है, आयुष मंत्रालय देश भर में कुछ केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को भी कार्यान्वित कर रहा है और उन योजनाओं का विवरण **संलग्नक-IV** पर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) और केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) की स्थापना की है। ये परिषदें पूरे भारत में अपने परिधीय संस्थानों द्वारा सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियों के माध्यम से अनुसंधान में लगी हुई हैं, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रही हैं और आयुष पद्धति को बढ़ावा दे रही हैं।

(घ): औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और औषधि नियम, 1945 में आयुर्वेद, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, यूनानी और होम्योपैथी औषधियों के लिए विशिष्ट विनियामक प्रावधान हैं। आयुर्वेद, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, यूनानी औषधियों से संबंधित प्रावधान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के खंड IVक और अनुसूची-I तथा औषधि नियम, 1945 के नियम 151 से 169, अनुसूचियां ङ(झ), न एवं न-क में निहित हैं। विनिर्माताओं के लिए यह अनिवार्य है कि वे औषधि नियम, 1945 की अनुसूची न के साथ-साथ सुरक्षा और प्रभावशीलता के प्रमाण सहित आयुर्वेद भेषजसंहिता में दिए गए गुणवत्ता मानकों के अनुसार उत्तम विनिर्माण प्रथाओं (जीएमपी) की निर्धारित आवश्यकताओं का अनुपालन करें।

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत अधीनस्थ संगठन, भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग (पीसीआईएम एंड एच), आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एएसयू एंड एच) औषधियों के लिए फार्माकोपियल मानकों को निर्धारित करता है जो एएसयू एंड एच औषधियों की गुणवत्ता (पहचान, शुद्धता और क्षमता) का पता लगाने के लिए आधिकारिक संग्रह के रूप में कार्य करता है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उसके तहत नियमों के अनुसार, एएसयू एंड एच औषधियों के विनिर्माण के लिए इन गुणवत्ता मानकों का अनुपालन अनिवार्य है। पीसीआईएम एंड एच, एएसयू एंड एच औषधियों के परीक्षण या विश्लेषण के लिए अपीलीय औधषि परीक्षण प्रयोगशाला के रूप में भी कार्य करता है। इसके अलावा, यह एएसयू एंड एच औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रयोगशाला तकनीकों और पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ औषधि नियामक प्राधिकरणों, औषधि विश्लेषकों और अन्य प्रासंगिक हितधारकों के लिए एएसयू एंड एच औषधियों के मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण और परीक्षण या विश्लेषण के लिए नियमित अंतराल पर क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण आयोजित करता है।

औषधि नियम, 1945 के नियम 160 क से ञ आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी औषधियों के विनिर्माण के लिए लाइसेंसधारी की ओर से आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी औषधियों की पहचान, शुद्धता, गुणवत्ता और क्षमता के ऐसे परीक्षण करने के लिए औषधि परीक्षण प्रयोगशाला के अनुमोदन के लिए नियामक दिशानिर्देश प्रदान करता है। अब तक, 34 राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं को उनकी अवसंरचनात्मक और कार्यात्मक क्षमता को मजबूत करने के लिए समर्थन दिया गया है। इसके अलावा, आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी औषधियों और कच्चे माल की गुणवत्ता परीक्षण के लिए औषधि नियम, 1945 के प्रावधानों के तहत 108 प्रयोगशालाओं को अनुमोदन या लाइसेंस प्रदान किया जाता है।

आयुर्ज्ञान योजना के आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार और आयुर्वेद जीव विज्ञान में एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान घटक योजना के तहत, आयुष में अनुसंधान करने के लिए योजना दिशानिर्देशों में निहित प्रावधान के अनुसार देश भर में पात्र संगठनों/संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, इसके क्षेत्रीय-सह-सुविधा केंद्रों (आरसीएफसी) के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण आयुष औषधियों के विनिर्माण के लिए गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल का उत्पादन करने हेतु देश में औषधीय पादपों के किसानों/उत्पादकों को औषधीय पादपों की गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री (क्यूपीएम) वितरित करते हैं।

(ङ) और (च): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, बिहार विशेष रूप से पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज सीमांचल क्षेत्र में आयुष अस्पताल, शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्र या अनुसंधान संस्थान की स्थापना संबंधित राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आती है। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है।

*****

संलग्नक-I

2014-15 से 2024-25 तक एनएएम के तहत समर्थित प्रमुख गतिविधियां

(i) एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए 203 इकाइयों का समर्थन किया गया।
(ii) बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए 518 आयुष अस्पतालों और 6234 आयुष औषधालयों को सहायता प्रदान की गई है।
(iii) प्रत्येक वर्ष औसतन दवाओं और आकस्मिकता की आवर्ती सहायता के लिए सह-स्थान के तहत 2387 पीएचसी, 746 सीएचसी और 319 डीएच का समर्थन किया गया है।
(iv) प्रत्येक वर्ष औसतन आवश्यक आयुष दवाओं की आपूर्ति के लिए 1157 आयुष अस्पतालों और 12677 आयुष औषधालयों का समर्थन किया गया है।
(v) नए आयुष शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के लिए 21 इकाइयों का समर्थन किया गया।
(vi) बुनियादी ढांचे, पुस्तकालय और अन्य चीजों के उन्नयन के लिए 78 स्नातक और 46 स्नातकोत्तर आयुष शैक्षणिक संस्थानों का समर्थन किया गया है।
(vii) नए आयुष औषधालयों की स्थापना के लिए 383 इकाइयों का समर्थन किया गया।
(viii) 1429 आयुष ग्राम का समर्थन किया गया है।
(ix) 12500 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का समर्थन किया गया है।

संलग्नक-II

अनुमोदित (एएएम) (आयुष) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति

क्र.सं.	राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का नाम	अनुमोदित एएएम (आयुष)	कार्यशील एएएम (आयुष)
1	अंडमान और निकोबार	6	6
2	आंध्र प्रदेश	126	126
3	अरुणाचल प्रदेश	89	89
4	असम	500	500
5	बिहार	294	294
6	चंडीगढ़	12	12
7	छत्तीसगढ़	400	400
8	दिल्ली	0	0
9	दादरा व नागर हवेली और दमन व दीव	1	1
10	गोवा	100	100
11	गुजरात	365	365
12	हरियाणा	538	538
13	हिमाचल प्रदेश	761	761
14	जम्मू-कश्मीर	523	523
15	झारखंड	745	745
16	कर्नाटक	376	376
17	केरल	700	700
18	लद्दाख	0	0
19	लक्षद्वीप	7	7
20	मध्य प्रदेश	800	800
21	महाराष्ट्र	390	390
22	मणिपुर	15	15
23	मेघालय	24	24
24	मिजोरम	41	41
25	नागालैंड	49	49
26	ओडिशा	422	422
27	पुडुचेरी	4	4
28	पंजाब	158	158
29	राजस्थान	2019	2019
30	सिक्किम	18	18
31	तमिलनाडु	650	650
32	तेलंगाना	421	421
33	त्रिपुरा	72	72
34	उत्तर प्रदेश	1034	1034
35	उत्तराखंड	300	300
36	पश्चिम बंगाल	540	540
कुल		**12500**	**12500**

संलग्नक-III

अनुमोदित एकीकृत आयुष अस्पतालों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्थान (जिला)	चिकित्सा पद्धति	बिस्तरों की संख्या	स्थिति
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप	जंगलीघाट, पोर्ट ब्लेयर (दक्षिणी अंडमान)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
2	आंध्र प्रदेश	काकीनाडा	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूर्ण
		विशाखापत्तनम	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
3	अरुणाचल प्रदेश	भालुकपोंग (पश्चिमी कामेंग)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		लिकाबली (लोवर सियांग)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		यिंगकिओंग (अपर सियांग)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		सेप्पा (पूर्वी कामेंग)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		जीरो (लोवर सुबनसिरी)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
4	असम	दुधनोई (गोलपाड़ा)	आयुर्वेद	50	कार्यशील
		माजुली	आयुर्वेद	50	कार्यशील
		कोकराझार	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		बक्सा	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		मोरीगांव	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		कालियाबोर (नगाँव)	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		दिफू (कारबी एंगलोंग)	आयुर्वेद और होम्योपैथी	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		बाजाली	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माणाधीन
5	बिहार	पटना	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग	50	निर्माण पूरा हुआ
6	चंडीगढ़	सेक्टर-34 (चंडीगढ़)	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	कार्यशील
7	छत्तीसगढ़	जांजगीर-चंपा	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	कार्यशील
		महासमुंद	आयुर्वेद, होम्योपैथी और	10	कार्यशील

			यूनानी		
		कोरिया	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		कोरबा	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	कार्यशील
		कांकेर (उत्तर बस्तर कांकेर)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	कार्यशील
		नारायणपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		बीजापुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	कार्यशील
		दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माण पूरा हुआ
		दल्ली राजहरा (बालोद)	आयुर्वेद	30	कार्यशील
		सूरजपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
8	दादरा नागर हवेली और दमन व दीव	सिलवासा (दादरा एवं नागर हवेली)	आयुर्वेद	50	निर्माणाधीन
9	गोवा	वेलगुएम (उत्तरी गोवा)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		मरगांव (दक्षिणी गोवा)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
10	गुजरात	सूरत	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	50	निर्माण पूर्ण
		राजकोट	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
11	हरियाणा	हिसार	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग	50	कार्यशील
12	हिमाचल प्रदेश	कुल्लू	आयुर्वेद, सोवा रिग्पा, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		मंडी	आयुर्वेद, सोवा रिग्पा, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		धर्मशाला	आयुर्वेद, सोवा रिग्पा, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
13	जम्मू और कश्मीर	किश्तवाड़	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		कुपवाड़ा	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक	50	निर्माणाधीन

			चिकित्सा		
		बिलावर (कठुआ)	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		कुलगाम	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
		सांबा	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		गदी गढ़ (जम्मू)	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		बांदीपायीन	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
14	झारखंड	इतकी,रांची	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		गुमला	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माणाधीन
		बोकारो	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माणाधीन
		देवघर	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माणाधीन
		पलामू	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माणाधीन
		दुमका	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माण पूर्ण
		जमशेदपुर	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
15	कर्नाटक	गदग	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	कार्यशील
		मैंगलोर	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	कार्यशील
		तीर्थहल्ली	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माणाधीन
16	केरल	चालाकुडी, त्रिसूर जिला	आयुर्वेद, होम्योपैथी, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
		मट्टनूर, कन्नूर	आयुर्वेद, होम्योपैथी, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
		अडूर, पथनमथिट्टा	होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		अट्टापडी	आयुर्वेद, होम्योपैथी, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		कोट्टाराकारा, कोल्लम	आयुर्वेद, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	30	निर्माणाधीन
		वायनाड	आयुर्वेद और योग	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		इडुक्की	होम्योपैथी और योग	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		अरनमुला, रन्नी, पथनामथिट्टा	आयुर्वेद और योग	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ

		वर्कला	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		कप्पुकड़ तिरूवनंतपुरम	आयुर्वेद, सिद्ध और योग	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
17	लक्षद्वीप	दीन दयाल उपाध्याय, कवारत्ती	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	30	कार्यशील
18	महाराष्ट्र	नंदुरबार	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	30	कार्यशील
		सिंधुदुर्ग	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	30	कार्यशील
		पुणे	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	30	कार्यशील
		धाराशिव (ओस्मानाबाद)	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	50	निर्माणाधीन
		अहमदनगर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	30	कार्यशील
		जलगांव	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	30	निर्माणाधीन
		जालना	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	50	निर्माणाधीन
		थाणे	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		नागपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	50	निर्माणाधीन
		गोंदिया	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		छत्रपती संभाजी नगर	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		बुलढाणा	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		गढ़चिरोली	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		वर्धा	आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और यूनानी	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
19	मणिपुर	मोरेह, तेंगोनाउपल	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
		चुराचांदपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
		क्वाकेइथेल कोनजेंग लेइकाई	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	कार्यशील
		केइराओ एसी, इम्फाल इस्ट जिला	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक	50	कार्यशील

			चिकित्सा		
		चंदेल	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		जिरीबाम	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		कांगपोकपी	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		बिश्नुपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		नोनी	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		थौबल	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
		सेनापति	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	10	निर्माणाधीन
20	मध्य प्रदेश	भोपाल	आयुर्वेद और योग	50	कार्यशील
		इंदौर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	50	निर्माण पूरा हुआ।
		नरसिंहपुर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		अमरकंटक	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		मंडलेश्वर (खरगोन जिला)	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	निर्माण पूरा हुआ।
		बालाघाट	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		सीहोर	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		गुना	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		पन्ना	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		भिंड	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		बड़वानी	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	30	निर्माणाधीन
		सुजालपुर	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन

		श्योपुर	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
21	मेघालय	सोहरा (चेरापूंजी), सीएचसी, (पूर्वी खासी हिल्स)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
		उमङ्ग विलेज, री भोई जिला	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		जोवाई, (पश्चिम जैंतिया हिल्स जिला)	होम्योपैथी, योग और आयुर्वेद	30	निर्माणाधीन
22	मिजोरम	आइज़ोल	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		सैतुअल	आयुर्वेद और होम्योपैथी	10	निर्माणाधीन
23	नागालैंड	नोक्लाक, तुएनसांग जिला	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	30	कार्यशील
		रज़ा, चेडेमा	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		सपंग्या (चुंगटिया)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		याचेम, लोंगलेंग	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	30	निर्माणाधीन
		किफिरे	होम्योपैथी	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		तिजित	आयुर्वेद और होम्योपैथी	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		अकुहाईतो झूनहेबोतो	आयुर्वेद और होम्योपैथी	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
24	ओडिशा	ढेंकनाल	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
		बरहामपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
		बालासोर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
25	पुडुचेरी	विलियानूर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और सिद्ध	50	कार्यशील
		यनम	आयुर्वेद, होम्योपैथी और सिद्ध	50	निर्माणाधीन
		कराईकल	आयुर्वेद, होम्योपैथी और सिद्ध	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
26	पंजाब	दयालपुर सोधिन ज़ीरकपुर (मोहाली)	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		मोगा	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी	50	कार्यशील

			और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा		
27	राजस्थान	भीलवाड़ा	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	50	कार्यशील
		अजमेर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	50	कार्यशील
		चुरू	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	50	कार्यशील
		बीकानेर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	50	कार्यशील
		जयपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	50	कार्यशील
		सीकर	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	50	कार्यशील
		सवाईमाधोपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		भरतपुर	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		किठाना	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	30	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
		भीलवाडा (असिंद)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		भीलवाडा (बीजोलिया)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		करुली (मंडरायल)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		अलवर (बहरोर)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		अलवर (नीमराना)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		जोधपुर (शेखला)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		दौसा (नांगल राजा वतन)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		जयपुर-ए (पाओटा)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		सीकर (धोड़)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		सीकर (श्रीमाधोपुर)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		बाड़मेर (गिरा)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन

		जालोर (बागोद)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		बारन (किशनगंज)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		झालावाड़ (बकनी)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		कोटा (सुल्तानपुर)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		पालि (रोहट)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		अजमेर (मसूदा)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		अजमेर (पीसनगन)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		धोलपुर (सेपयाऊ)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		भरतपुर (सेवेर)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		नागौर (खीनवासर)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		श्री गंगानगर (राय सिंह नगर)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		डूंगरपुर (दोवरा)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
		प्रतापगढ़ (अरणोद)	आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी	10	निर्माणाधीन
28	सिक्किम	क्योंगसा, ग्यालशिंग, पश्चिम सिक्किम	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	कार्यशील
		एनआईटी, देवराली	सोवा- रिग्पा	30	निर्माणाधीन
29	तमिलनाडु	थेनी	सिद्ध, योग और प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
		तिरुवन्नमलाई	सिद्ध, योग और प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
		पुदुक्कोट्टई	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
		नमक्कल	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
		एएजीएचआईम कैंपस, चेन्नई	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माणाधीन
		कोट्टर, नागरकोइल	आयुर्वेद	30	निर्माणाधीन
30	तेलंगाना	सिद्दीपेट	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और योग	50	निर्माण पूरा हुआ

			एवं प्राकृतिक चिकित्सा		
		विकाराबाद	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग और प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
		जयशंकर भूपालपल्ली	आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	निर्माण पूरा हुआ
31	त्रिपुरा	पैराडाइज़ चौमुहानी, अगरतला	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	50	कार्यशील
		दक्षिण सबरूम	आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग	50	निर्माण पूरा हुआ
32	उत्तर प्रदेश	जौनपुर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	30	निर्माणाधीन
		बुलंदशहर (आरंभ में कुशी नगर में)	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		बिल्हौर, कानपुर नगर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		पश्चिम कल्ली, लखनऊ	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		बदरासी, वाराणसी	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		नवाब गंज, बरेली	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		बस्ती	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		सिराथू कौशाम्बी	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		सोनभद्र	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		उरई जालौन	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		संत कबीर नगर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		देवरिया	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		ललितपुर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		अमेठी	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		कानपुर देहात	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		फिरोजपुर, बलिया जिला	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		रायबरेली	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी	50	कार्यशील

			और योग		
		बागपत	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		फतेहपुर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		श्रावस्ती	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		उन्नाव	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		हरदोई	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		गोरखपुर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		संभल	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		मिर्जापुर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
33	उत्तराखंड	हल्द्वानी	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	कार्यशील
		जाखणीधार, टिहरी	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		टनकपुर, चम्पावत	आयुर्वेद और होम्योपैथी	50	निर्माणाधीन
		कोटद्वार, पौड़ी	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	निर्माणाधीन
		पथरी, हरिद्वार	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	10	निर्माणाधीन
		भीमताल, नैनीताल	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	10	निर्माणाधीन
		पिरान कलियार, हरिद्वार	यूनानी	50	निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ
34	पश्चिमी बंगाल	तपसीखाता, अलीपुरद्वार जिला	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील
		पश्चिम जिला मिदनापुर	आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग	50	कार्यशील

केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं की स्थिति

1. **आयुष में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देना:** इस योजना के तहत, मंत्रालय आयुष स्वास्थ्य देखभाल पद्धति के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय आरोग्य मेले, योग फेस्ट/उत्सव, आयुर्वेद पर्व, आयुष पद्धति के महत्वपूर्ण दिवस मनाता है, स्वास्थ्य फेयर/मेलों, प्रदर्शनियों आदि में भाग लेता है, सेमिनारों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों के आयोजन और मल्टीमीडिया अभियान आदि आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। आयोजनों, अभियानों और डिजिटल आउटरीच के संयोजन से, यह योजना विविध क्षेत्रों और दर्शकों में निवारक स्वास्थ्य देखभाल और आयुष की समग्र कल्याण की सार्वजनिक समझ को बढ़ाती है।

2. **आयुष के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना (आईसी योजना):** इस योजना के तहत, मंत्रालय आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आयुष औषधि विनिर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्राष्ट्रीय संवर्धन, विकास और मान्यता को सुविधाजनक बनाता है; अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हितधारकों की बातचीत और आयुष के बाजार विकास को बढ़ावा देता है; विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूकता और रुचि को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं/संगोष्ठियों के आयोजन के माध्यम से अकादमियों और अनुसंधान को बढ़ावा देता है। आईसी योजना के तहत, 25 देश-दर-देश एमओयू (समझौता ज्ञापनों), 15 आयुष पीठ एमओयू और 52 संस्थान-दर-संस्थान स्तर के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

3. **आयुर्स्वास्थ्य योजना:** इस योजना के 02 घटक नामतः (i) आयुष एवं जन स्वास्थ्य (ii) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) हैं। आयुष और जन स्वास्थ्य घटक का प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित लक्ष्यों के साथ प्रामाणिक प्राचीन आयुष उपचारों को आरंभ करना है:-

   (i) सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आयुष उपचार को बढ़ावा देना।

   (ii) जन स्वास्थ्य में आयुष स्वास्थ्य देखभाल के लाभों को प्रदर्शित करना।

   (iii) आयुष पद्धति को एकीकृत करके सतत विकास लक्ष्य -2 (एसडीजी2) और सतत विकास लक्ष्य -3 (एसडीजी 3) को कार्यान्वित करने के लिए सहयोग प्रदान करना।

   (iv) विभिन्न जन स्वास्थ्य मुद्दों में आयुष उपचारों के माध्यम से आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता का प्रलेखीकरण जिसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कार्यान्वयन के लिए बड़े पैमाने पर आरंभ किया जा सकता है।

   आयुष और आयुर्स्वास्थ्य योजना के जन स्वास्थ्य घटक के तहत, 25 परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी गई है।

4. **आयुर्ज्ञान योजना:** इस योजना का उद्देश्य बाह्य परिसर अनुसंधान गतिविधियां प्रदान करके आयुष में अनुसंधान और नवाचार तथा शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आदि प्रदान करके शिक्षा का समर्थन करना है। इस योजना के 03 घटक हैं- (i) आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) (ii) आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार और (iii) आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान को वित्त वर्ष 2023-24 से इस योजना के तहत जोड़ा गया है।

आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार (आर एंड आई) और आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान (एबीआईएचआर) घटक के तहत, इसकी स्थापना के बाद से क्रमशः 33 और 11 अनुसंधान परियोजनाओं का समर्थन किया गया है।

5. आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई): इस योजना के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

(i) आत्मनिर्भर भारत की पहल के तहत पारंपरिक दवाओं और स्वास्थ्य संवर्धन उत्पादों की भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाना।

(ii) आयुष दवाओं और सामग्री के मानकीकरण, गुणवत्ता निर्माण और विश्लेषणात्मक परीक्षण के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में पर्याप्त बुनियादी ढांचे और तकनीकी उन्नयन और संस्थागत गतिविधियों की सुविधा प्रदान करना।

(iii) प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा निगरानी और आयुष दवाओं के भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी के लिए केंद्रीय और राज्य स्तर पर नियामक ढांचे को मजबूत करना।

(iv) आयुष औषध और सामग्री के मानकों और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए तालमेल और अभिसरण दृष्टिकोण के निर्माण को प्रोत्साहित करना।

इस योजना के तहत, उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए "आयुष फार्मेसियों और औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण और उन्नयन" घटक के तहत, 6 सरकारी और 11 निजी सहित 17 फार्मेसियों तथा 5 सरकारी और 1 निजी सहित 6 औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं को 63.00 करोड़ रुपये की वितीय सहायता दी गई है।

6. औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन पर केंद्रीय क्षेत्र की योजना: इस योजना का उद्देश्य पूरे देश में औषधीय पादपों की खेती को बढ़ावा देना है, जिसमें निम्नलिखित गतिविधियों का समर्थन किया जाता है:

(i) सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियाँ जैसे प्रशिक्षण/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/सम्मेलन आदि।

(ii) स्व-स्थाने संरक्षण/बाह्य-स्थाने संरक्षण।

(iii) संयुक्त वन प्रबंधन समितियों (जेएफएमसी)/पंचायतों/वन पंचायतों/जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी)/स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के साथ आजीविका संबंध।

(iv) अनुसंधान एवं विकास।

(v) औषधीय पादपों की उपज का संवर्धन, विपणन और व्यापार।

(vi) औषधीय पादपों की आपूर्ति श्रृंखला में अग्रवर्ती और पश्चवर्ती लिंकेज (एकीकृत घटक) जिसके तहत निम्नलिखित गतिविधियों का समर्थन किया जाता है:

- खेती के लिए औषधीय पादपों की रोपण सामग्री को बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री अवसंरचना।
- किसानों को जागरूक करने के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियां। (आईईसी)
- औषधीय पादपों की विपणन क्षमता बढ़ाने के लिए फसलोपरांत प्रबंधन और विपणन के लिए अवसंरचना, उपज में मूल्य वर्धन, लाभप्रदता बढ़ाना और हानि को कम करना।
- कच्चे माल का गुणवत्ता परीक्षण और प्रमाणन।

वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान, देश भर में औषधीय पादपों की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम/संगोष्ठी/कार्यशालाओं आदि के आयोजन के लिए 1161.96 लाख रुपये की धनराशि की 139 परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया।